मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 | अंक : 130 | सोमवार, 5 अगस्त 2024 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

/ulhasvikas | संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, LL.B.) | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

नानी सुचित्रा पर बायोपिक करने की इच्छा : राइमा

बारवी डैम में 92.26% पानी

तेजी से भर रहा है पानी

किसी भी समय ओवरफ्लो हो सकता है डैम

उल्हासनगर/अंबरनाथ. लाखों लोगों को जलापूर्ति करनेवाला बारवी डैम छलकने की तैयारी में है. इसलिए बारवी डैम के आसपास के गांववासियों को सतर्क रहने का इशारा दे दिया है. 4 अगस्त रविवार दोपहर 4 बजे तक बारवी डैम में 71.80 मीटर पानी जमा हो गया था. डैम 72.60 मीटर भरने के बाद छलक जाता है. डैम में 92.26% पानी है. बारवी डैम के इंजीनियर गहरी नजर रखे हुए हैं. रविवार को सुबह 7 बजे फिर दोपहर एक बजे और 4 बजे तक की जानकारी पत्रकारों को लगातार दी जा रही है. गत वर्ष ये डैम एक अगस्त को लबालब हो गया था. डैम में कुल पानी अभी 312.63 एमसीएम है, जबकि डैम 340 एमसीएम पानी भरने के बाद ओवरफ्लो हो जाता है.

बारवी नदी के आसपास के गांववासियों को सतर्क रहने का इशारा

डैम की ऊंचाई 72.22 मीटर है, लेकिन 72.60 मीटर में पानी ओवरफ्लो होने लगता है. डैम के 11 दरवाजे हैं. 72.60 मीटर पानी भरने के बाद ये दरवाजे आटोमेटिक खुलने लगते हैं और पानी का बहाव शुरू हो जाता है. ये डैम अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर, एमआईडीसी क्षेत्र समेत कल्याण डोंबिवली, नवी मुंबई, ठाणे, मीरा भायंदर जैसे शहरों को पानी की आपूर्ति करता है. बारवी डैम के लबालब होने से उपरोक्त शहरों की वर्ष भर की पानी की समस्या दूर हो गई है. 4 अगस्त को महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल ने कल्याण, अंबरनाथ, उल्हासनगर, मुरबाड तहसीलदार को अर्जंट मैसेज भेज कर कहा है कि बारवी डैम का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. डैम भरने के बाद डैम का पानी बारवी नदी में छोड़ा जाता है. इसलिए नदी आसपास के गांव चांदप, आसनोली, चांदपपाड़ा, सागांव, पिंपनोली, पाटिल पाड़ा, चोण, राहटोली व अन्य गांववासियों को सतर्क रहने का इशारा दिया जाए एवं सरकारी यंत्रणा को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है. एमआईडीसी के कार्यकारी अभियंता दुशांत उईके ने सतर्क रहने की चेतावनी जारी की है.

गटारी की पार्टी जान पर बन आई

- एक की मौत, एक लापता!
- बांध का पानी का बहाव तेज हो गया और कार डूब गई

कल्याण. कल्याण के गणपत चिमाजी शेलकंदे अपने दोस्तों के साथ शाहपुर तालुका में तानसा बांध के नीचे एक पार्टी के लिए आए थे। शनिवार दोपहर वह अपनी कार (एमएच 10, एस 4455) पार्टी के लिए आए थे। लेकिन बांध के पिछले हिस्से में कार खड़ी कर पार्टी की योजना बनाते समय अचानक बांध के स्वचालित गेट आंशिक रूप से खुल गए और पानी का प्रवाह तानसा नदी की ओर बहने लगा। इससे पहले कि उनको पता चलता कार पानी में समा गई। जैसे ही उन्हें एहसास हुआ कि कार में पानी घुस रहा है, कार में सवार 5 लोग बाहर कूद गए। इनमें से 3 सुरक्षित बाहर आ गए, जबकि एक की दम घुटने से मौत हो गई. एक अन्य व्यक्ति अभी भी लापता है.

पांच लोग शाहपुर तालुका के तानसा अभयारण्य में पार्टी करने आए थे। दोपहर में पार्टी करने के लिए तानसा बांध के गेट नंबर एक के नीचे कार में सवार होकर पार्टी कर रहे थे कि अचानक तानसा बांध के 24 स्वचालित गेट खुल गए, जिससे भारी मात्रा में पानी नदी की तलहटी में चला गया और कार समेत पांच लोग घायल हो गए। नदी में बह गये. उनमें से तीन बाहर कूदकर भाग निकले। लेकिन दो लोग कार में फंसे रह गए. इसमें 1) गणपत चिमाजी शेलकांडे की दम घुटने से मौत हो गई. स्थानीय नागरिकों की मदद से उसका शव बरामद कर लिया गया है. लेकिन एक व्यक्ति अभी भी लापता है. उसकी तलाश जारी है और शाहपुर पुलिस आगे की जांच कर रही है.

खाड़ेगोलवली के विट्ठल मंदिर में चोरी

कल्याण. कल्याण पूर्व के खाड़ेगोलवली इलाके में विठ्ठल रुक्मिणी मंदिर से चोरी करने के बाद चोरों ने 15 हजार रुपये के पीतल के बर्तन चुरा लिए हैं. चोरों ने मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार को खोलकर मंदिर में प्रवेश किया. चोरों ने मंदिर के गर्भगृह के पास वाले कमरे में कुल 12 पीतल के बर्तन चुरा लिए। सुबह जब पुजारी रोज की तरह मंदिर खोलने आये तो देखा कि मंदिर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है और मंदिर में चोरी हो गयी है. जगदीश तारे ने कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक एच. एल शिर्के इस मामले की जांच कर रहे हैं.

अंबरनाथ की सौ वर्ष पुरानी इमारत निर्माण के लिए 9 करोड़ रुपए मंजूर

- अब्दुल शेख का सफल प्रयास

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में भारत की आजादी से पूर्व चल रहे मराठी स्कूल जो कि कवैल की है, स्कूल के कमरे जर्जर हो गए थे. लोकल बोर्ड के नाम से जाने जानी वाली स्कूल का अब कायापलट होने वाला है. स्कूल के पुराने सभी रूम तोड़कर यहां पर 9 करोड़ रुपए खर्च करके वन प्लस वन इमारत बनाई जाएगी, जिसमें ये मराठी स्कूल एवं स्वामी नगर की तमिल भाषा स्कूल चलाई जाएगी. ऐसी जानकारी पत्रकारों को उप नगराध्यक्ष अब्दुल शेख ने दी है. उन्होंने बताया कि दोनों स्कूल अंबरनाथ नपा संचालित हैं.

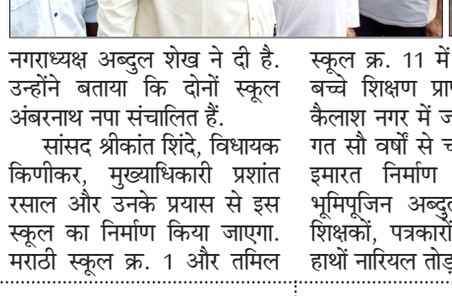

सांसद श्रीकांत शिंदे, विधायक किणीकर, मुख्याधिकारी प्रशांत रसाल और उनके प्रयास से इस स्कूल का निर्माण किया जाएगा. मराठी स्कूल क्र. 1 और तमिल स्कूल क्र. 11 में ज्यादातर गरीब बच्चे शिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. कैलाश नगर में जहां मराठी स्कूल गत सौ वर्षों से चालू है, यहां पर इमारत निर्माण के कार्य का भूमिपूजिन अब्दुल शेख, स्कूल शिक्षकों, पत्रकारों, विद्यार्थियों के हाथों नारियल तोड़कर शुक्रवार को किया गया. स्कूल शिक्षक ने बताया कि स्कूल 1924 की है. छत से पानी टपकता है. स्कूल की इमारत बन जाएगी, तो शिक्षा अच्छे तरीके से होगी. विद्यार्थियों की पटसंख्या भी बढ़ेगी. शिक्षकों ने सभी नेताओं, नपा प्रशासन एवं अब्दुल शेख का आभार व्यक्त किया.

होर्डिंग हादसा : ठेकेदार पर दर्ज होगा केस

- आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ की जानकारी

कल्याण. सहजानंद चौक पर होर्डिंग गिरने की घटना में शामिल ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा. जिन वाहन स्वामियों के वाहन इस दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस हादसे में जो राहगीर घायल हुए हैं. यह सारी लागत होर्डिंग के ठेकेदार से वसूल की जाएगी. उक्त जानकारी मनपा आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने दी।

सहजानंद चौक पर विज्ञापन बोर्ड लगाने के लिए लगे होर्डिंग के ढांचे पर पतरे लगाए गए थे. ये पतरे शुक्रवार सुबह सड़क पर गिरे। नतीजतन, इस हादसे में दो वाहन और दो पैदल यात्री घायल हो गए. चूंकि होर्डिंग्स सार्वजनिक स्थानों पर होते हैं, इसलिए इन्हें सावधानी से लगाने की जरूरत होती है। इसको लेकर लापरवाही बरती गई है. इस लापरवाही के लिए संबंधित ठेकेदार को जिम्मेदार माना जाएगा और उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी, ऐसा आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने कहा है.

सहजानंद चौक पर हुए हादसे के बाद कमिश्नर डॉ. जाखड़ ने सहायक आयुक्त को महानगर पालिका के दस वार्डों की सीमा में लगे होर्डिंग, उन पर लगे पतरों या व्यवस्था के संबंध में निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए। मनपा की सीमा के अंदर कई इलाकों में अवैध होर्डिंग राजनीतिक आशीर्वाद लेकर खड़े हैं। विज्ञापन बोर्ड के संदर्भ में कुछ लोग मांग कर रहे हैं कि आयुक्त उन बोर्डों के बारे में जानकारी लेने की पहल करें और कई वर्षों से लगे बोर्डों को ध्वस्त करें। इन अवैध बोर्डों के खिलाफ महानगर पालिका में शिकायत करने वाले आरटीआई कार्यकर्ता सुरेश तेलवणे ने कहा कि कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका को अवैध बोर्डों के माध्यम से एक पैसा भी राजस्व नहीं मिल रहा है।

ठाणे जिले में चहुंओर यातायात जाम

- वसई फाटा पर ट्रक पलटने से 15 घंटे तक यातायात ठप

ठाणे. ठाणे जिले में शनिवार को पूरे दिन बारिश जारी रहने के कारण, मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर यातायात ठप हो गया, जब सुबह 3 बजे वसई जंक्शन के पास हाइड्रोजन सिलेंडर ले जा रहा एक ट्रक पलट गया। मुंबई और गुजरात दोनों मार्गों पर 8 से 10 किमी लंबी कतारें थीं। इन मार्गों पर ट्रैफिक बढ़ने के कारण घोड़बंदर के रास्ते वसई की ओर जाने वाले यातायात को मुंबई-नासिक और पुराने मुंबई-आगरा मार्गों से डायवर्ट किया गया था। अंततः वाहनों को यातायात के लिए बंद घोड़बंदर रोड पर छोड़कर फाउंटेन होटल से गायमुख घाट क्षेत्र तक रोक दिया गया और शहर की आंतरिक सड़कें भी प्रभावित हुईं. उरण में जेएनपीटी बंदरगाह से घोड़बंदर के रास्ते गुजरात की ओर जाने वाला यातायात भी रोक दिया गया। इस मार्ग पर यातायात को मुंबई-नासिक राजमार्ग और मुंबई-आगरा राजमार्ग से भिवंडी के रास्ते गुजरात की ओर मोड़ दिया गया। वाहनों का दबाव बढ़ने से कशेली, काल्हेर, अंजुरफाटा, कोपर की आंतरिक सड़कें जाम हो गयीं. इसके अलावा, ठाणे से गुजरने वाले मुंबई-नासिक मार्ग पर तीन हाट नाका, नितिन कंपनी, कैडबरी, माजीवाड़ा, कपूरबावड़ी इलाकों में भी ट्रैफिक जाम रहा। पिछले कुछ दिनों से भिवंडी ग्रामीण यानी कशेली-काल्हेर इलाके से गुजरने वाले पुराने मुंबई-आगरा हाईवे पर ट्रैफिक जाम लगा हुआ है. इस इलाके में बड़े-बड़े गोदाम हैं और सड़कों पर गड्ढे हैं. इससे यातायात धीमा हो जाता है और भीड़भाड़ होती है। इससे नाराज अभिभावकों, शिक्षकों और छात्रों ने शुक्रवार शाम कोपर इलाके की सड़कों पर धरना दिया. वसई फाटा पर हुए हादसे के कारण शनिवार सुबह मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर पंद्रह घंटे से अधिक समय तक जाम लगा रहा।

बदलापुर फ्लाईओवर पर गड्ढों ने बढ़ाई ट्रैफिक जाम की समस्या

- बदलापुर पूर्व से पश्चिम जाने में लग रहे घंटों

बदलापुर. बदलापुर शहर के एकमात्र फ्लाईओवर पर गड्ढों की तादाद दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और कुलगांव बदलापुर नगर पालिका प्रशासन इन गड्ढों को भरने में विफल हो रहा है. इसलिए शहर में पूर्व से पश्चिम की ओर जाने में दोपहर में आधे घंटे से एक घंटे का समय लग जाता है. इससे यात्रियों को परेशानी हो रही है और सबसे ज्यादा असर स्कूली छात्रों पर पड़ रहा है. यह ट्रैफिक जाम बदलापुर शहर के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लेकर फ्लाईओवर तक और दूसरी तरफ कर्जत स्टेट हाईवे तक फैला हुआ है.

बदलापुर शहर का एकमात्र फ्लाईओवर पिछले एक माह से गड्ढे में फंसा हुआ है। शुरुआत में पुल के बीच में गड्ढे थे. लेकिन पिछले कुछ दिनों में पूर्व में नगर निगम मुख्यालय के प्रवेश द्वार से लेकर पश्चिम में फ्लाईओवर तक गड्ढे बन गये हैं. इन गड्ढों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में वाहन चालकों को इस मार्ग से गुजरने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। जैसे ही दोपहिया और चारपहिया वाहन गड्ढे से गुजरते समय मुड़ते हैं, यहां वाहनों की गति धीमी हो जाती है। इसके कारण पूर्वी और पश्चिमी दोनों इलाकों में वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं.

चूंकि शहर के पूर्वी-पश्चिमी हिस्से में फ्लाईओवर के अलावा आसपास कोई दूसरा रास्ता नहीं है, इसलिए सभी वाहन इसी रास्ते से जाने की कोशिश करते हैं. इसके चलते पिछले कुछ दिनों से शहर में सुबह ग्यारह बजे से दोपहर एक बजे तक और शाम पांच बजे से सात बजे तक काफी भीड़भाड़ रहती है.

बेलावली क्षेत्र में सबवे में प्रवेश करने के लिए वाहनों के मुड़ने से उस चौराहे पर भारी ट्रैफिक जाम हो गया। इसका सीधा असर मांजर्ली, दत्तचौक इलाके पर पड़ता है. इसके अलावा फ्लाईओवर पर गड्ढों के कारण समस्या दत्त चौक क्षेत्र से शुरू होती है। वहां से वाहनों को पूर्व की ओर जाने में आधे से एक घंटे का समय लगता है. इससे स्कूली छात्रों पर काफी असर पड़ रहा है. इस दुविधा के कारण छात्रों को स्कूल से घर तक की पांच से सात मिनट की दूरी तय करने में आधे से एक घंटे का समय लग जाता है। इसलिए छात्रों और अभिभावकों में गुस्से का माहौल है.

शिवमंदिर में कांवडियों ने किया जलाभिषेक

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के नेताओं ने हजारों कांवड़ यात्रियों का भोजन, फल, शरबत, पानी देकर स्वागत किया है. रविवार दोपहर में हजारों कांवड़िये अपने कंधे पर कोंडेश्वर बदलापुर से जल लेकर अंबरनाथ पहुंचे तो शिवसेना के विकास सोमेश्वर, राहुल सोमेश्वर, राकांपा शरद पवार के मनोज सिंह, भाजपा के हिरालाल गुप्ता ने बम-बम भोले का नारा लगाकर उनका स्वागत किया. बुवापाड़ा संघटन चौक के समक्ष केबी सड़क पर मनोज सिंह, पूर्व नगरसेविका श्रुति सिंह ने जेसीबी पर से उन पर फूल बरसाये. कार्यकर्ताओं ने पैदल आ रहे कांवड़ियों को पैर की मालिश करके उनको प्रसाद, शरबत देकर स्वागत किया. केबी सड़क पर ही विकास एवं राहुल सोमेश्वर ने शास्त्री हिंदी विद्यालय के समक्ष कांवड़ियों को भोजन, पानी, चाय, फल देकर स्वागत किया. गत पांच वर्षों से यहां पर शामियाना लगाकर कांवड़ियों का स्वागत किया जाता है. विदित हो कि हर वर्ष श्रावण मास में बदलापुर कोंडेश्वर के शिव मंदिर से जल लेकर सुबह में यहां से पैदल निकल कर और 4 से 5 घंटे तक नंगे पैर चलकर अंबरनाथ के शिवमंदिर में जलाभिषेक करते हैं. अंबरनाथ, बदलापुर, उल्हासनगर र ठाणे जिले के हजारों कांवड़िये बम-बम भोले का नारा लगाते हुए चार से पांच घंटे तक पैदल चलकर अंबरनाथ शिवमंदिर में जलाभिषेक करते हैं. सोमेश्वर के मंडप में विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने भी हाजिरी लगाकर कांवड़ियों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रसाद पेश किया.

अंबरनाथ के नेताओं ने भोजन, फल, शरबत देकर किया स्वागत

मां की मौत के बाद दो दिन तक शव के पास बैठा रहा बेटा

कल्याण. 44 साल की एक महिला की मौत हो गई, जिसके बाद उसका बेटा उसके शव के पास बैठा था. दो दिन तक लड़का उसकी लाश के पास बैठा रहा. हैरान कर देने वाली यह घटना तब सामने आई जब पड़ोसियों को दुर्गंध आने लगी और उन्हें कुछ गड़बड़ होने का संदेह हुआ, तो उन्होंने पुलिस को बुलाया। यह घटना कल्याण के खड़कपाड़ा इलाके में हुई.

सेल्विया डेनियल नाम की महिला अपने पति डेनियल और 14 साल के बेटे एल्विन के साथ कल्याण के पश्चिम में खड़कपाड़ा इलाके के एक पॉश कॉम्प्लेक्स में रहती थी। दो दिन पहले सेल्विया का पति डेनियल काम के सिलसिले में शहर से बाहर गया था. घर में सेल्विया और उसका 14 साल का बेटा एल्विन दोनों थे. घर में सो रही सेल्विया की नींद में ही मौत हो गई. लेकिन इसकी जानकारी किसी को नहीं हुई. 14 साल के ऑलविन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसकी मां की नींद में ही मौत हो गई है. ये लड़का दो दिन तक अपनी मां के शव के पास बैठा रहा.

- बदबू आने पर घटना का पता चला

दो दिन बाद घर से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया. लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई. पड़ोसियों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर दाखिल हुई. उसने घर का दरवाजा खटखटाया. लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई. आख़िरकार पुलिस दरवाज़ा तोड़कर घर में दाखिल हुई. सेल्विया डेनियल मृत पड़ी थीं और उनका बेटा उनके पास बैठा था. पुलिस ने बताया कि वह दो दिन से बैठा हुआ था.

- पुलिस ने ऑलविन से पूछताछ की

इस संबंध में ऑलविन से पुलिस ने अपने तरीके से पूछताछ की. लेकिन पता चला कि उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी. लड़के ने पुलिस को कोई जवाब नहीं दिया. वह अपनी मां को देख रहा था और उनके शव के पास बैठा हुआ था. पुलिस ने सेल्विया के शव को कब्जे में ले लिया है. खडकपाड़ा पुलिस ने जानकारी दी कि हमने इस मामले में आकस्मिक मृत्यु दर्ज कर ली है. हमने यह नोट पड़ोसियों द्वारा हमें दी गई शिकायत के बाद बनाया है।' हमने महिला के बेटे और पड़ोसियों के बयान भी दर्ज किए हैं। सेल्विया के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण पता चल सकेगा।

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

जनता की जान की नहीं है चिंता

देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में सरकार और स्थानीय प्रशासन बाकी जगहों के मुकाबले ज्यादा चौकस तरीके से कामकाज करते होंगे। नागरिक निकायों के अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों को लेकर अधिक सजग रहते होंगे। मगर पिछले कुछ समय से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हुए हादसों और उसमें लोगों के मारे जाने की घटनाओं से ऐसा लगता है कि संबंधित महकमों को इस बात की फिक्र कतई नहीं है कि उनकी लापरवाही का खामियाजा किन्हें उठाना पड़ता है।

इस लापरवाही को क्या कहें कि दिल्ली में गाजीपुर के एक निर्माणाधीन नाले को इस जोखिम के बावजूद खुला छोड़ दिया गया था कि बरसात ज्यादा होने और चारों तरफ पानी भर जाने के बाद यह पता चलना संभव नहीं रहा कि नाला कहां है और रास्ता कहां है। उसमें कोई भी गिर सकता था। हुआ भी यही कि किसी काम से बाहर निकली एक मां अपने ढाई वर्ष के बच्चे के साथ खुले नाले में गिर गई और उसमें डूब कर दोनों की मौत हो गई।

ऐसे हादसे की आशंका पहले से थी, मगर दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से उस जगह पर चेतावनी के संकेतक लगाना जरूरी नहीं समझा गया। करीब पंद्रह फुट गहरे उस गड्ढे के जोखिम का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसमें गिरने के बाद किसी के लिए भी जान बचाना मुश्किल था। सवाल है कि इस तरह के खतरे के बावजूद वहां कोई भी सुरक्षात्मक उपाय करना जरूरी क्यों नहीं समझा गया।

लगता है कि दिल्ली सहित समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हर जगह किसी न किसी रूप में जोखिम मौजूद है और उससे बचना लोगों के ऊपर ही छोड़ दिया गया है। बुधवार की शाम को हुई भारी बारिश के बाद दिल्ली और गुरुग्राम में छह लोगों की मौत करंट लगने से हो गई। बिजली के खंभों पर तार इस कदर बिखरे हुए थे कि मामूली गफलत की वजह से कोई भी उनके संपर्क में आ सकता था। कहीं घरों में पानी घुस जा रहा है और वहां भी जान जाने का खतरा बना रहता है। इन सबके लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी?

वायनाड के भूस्खलन से क्या कुछ सबक पाएंगे हम

केरल के वायनाड में भूस्खलन से हुई भारी तबाही ने एक बार फिर अनियोजित विकास की ओर हमारा ध्यान खींचा है। कई जान चली गई है। उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक पहाड़ों का चरित्र कमोबेश एक जैसा ही है। हां, हिमालय के पहाड़ अभी तुलनात्मक रूप से नए जरूर हैं, जिसके कारण यहां की मिट्टी दक्षिण के पहाड़ों की तरह सख्त नहीं हुई है, पर उत्तर से लेकर दक्षिण तक भूस्खलन की जो घटनाएं हम देख रहे हैं, उनकी एक बड़ी वजह मानवीय गतिविधियां हैं। हम विकास और निर्माण-कार्यों के नाम पर लगातार पहाड़ काट रहे हैं, लेकिन उसे दरकने से बचाने के लिए जिन-जिन उपायों की जरूरत है, उस पर बमुश्किल अमल कर पा रहे हैं। अब तो पहाड़ की चोटियों पर ऊंची इमारतें बनती दिखने लगी हैं। इसके लिए पेड़ों की जमकर कटाई की जाती है। जाहिर है, जब पत्थर को थामने वाले कुदरती साधनों को हम खत्म कर देंगे, तो पहाड़ टूटेंगे ही। रही-सही कसर मानसून पूरी कर देता है। इस मौसम में पहाड़ों पर दबाव बढ़ जाता है, जिस कारण वे भरभराकर गिरने लगते हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में ऐसा ही हुआ था।

अनियोजित विकास के हिमायती कहते हैं कि भौगोलिक परिस्थितियों के कारण भी भारत में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। निस्संदेह, पहाड़ खुद भी कभी-कभी भूस्खलन के माध्यम से स्थिर होते हैं। भूकंप भी वक्त-बेवक्त इसकी वजह बनते हैं। मगर हाल-फिलहाल की घटनाएं मूलतः उन जगहों पर ही दिखी हैं, जहां पर निर्माण-कार्य हुए हैं। जहां प्रकृति को बिल्कुल भी छेड़ा नहीं गया है, वहां से भूस्खलन

की खबरें नहीं आई हैं। दिक्कत यह भी है कि हम विकास के नाम पर पहाड़ों के साथ खिलवाड़ तो करते हैं, लेकिन सुरक्षात्मक दीवार पुश्ता, जिसे रिटेनिंग वॉल कहते हैं, नहीं बनाते। विकास-कार्य बेशक होने चाहिए, क्योंकि पहाड़ पर रहने वाले लोगों को भी अच्छी सड़कों या इमारतों की जरूरत है, लेकिन ऐसा करते हुए उन उपायों को अमल में लाना चाहिए, जो इंसानी जान की सुरक्षा कर सकें। कई जगहों पर पहाड़ को काटने के बाद महज पांच फुट का रिटेनिंग वॉल लगाते मैंने देखा है। यह उचित नहीं है। उत्तराखंड में भूस्खलन की बढ़ी घटनाओं की यह एक बड़ी वजह है। हम चाहें, तो चिह्नित स्थानों पर कैंडलनट, ब्रेरडफूट, बांस जैसे पेड़ अथवा वेटिवर जैसी घास भी लगा सकते हैं, जिनकी मजबूत जड़े.पहाड़ी मिट्टी को थामे रखने में काफी मददगार मानी जाती हैं।

ऐसा नहीं है कि अपने देश में इस बाबत दिशा-निर्देश नहीं है। गाइडलाइन तैयार है, लेकिन उसका पालन ढंग से नहीं हो रहा। इसके लिए हमें स्थानीय निकायों पर भरोसा करना होगा। जब तक उनको इस अभियान में शामिल नहीं करेंगे, हरेक मानसून में तबाही की खबरें आती रहेंगी। नियमों का पालन स्थानीय निकाय ही सुनिश्चित कर सकते हैं। उनको पता होता है कि निर्माण-कार्यों की वजह से कहां कितनी अस्थिरता हुई है और उसे स्थिर करने के लिए किस तरह के उपाय किए जाने चाहिए। फिर चाहे वह दीवार पुश्ता लगाना हो या पेड़-पौधों का रोपण या फिर कुछ और। इस तरह के प्रयास कितने कारगर होते हैं, इसका पता कोई जापान जाकर लगा सकता है। वहां की पहाड़ियों को स्थिर बनाए रखने के लिए जालियां तक लगाई गई हैं। ऐसे उपाय कुछ महंगे जरूर होते हैं, पर काफी कारगर माने जाते हैं। अपने देश में टिहरी बांध में ढलानों की कटाई के बाद अच्छे सुरक्षात्मक उपाय किए गए हैं, पर अन्य जगहों पर उचित व्यवस्था नहीं दिखती। कई इलाकों में तो पहाड़ से पत्थर सीधे सड़क पर आ गिरते हैं, जिससे जान-माल का नुकसान होता है। ताइवान ने अपने यहां दवाबमापी यंत्र लगाकर अलहदा प्रयोग किया है। इससे उसे समय-पूर्व पता चल जाता है कि पहाड़ पर कितना दबाव है और वह लोगों को पहाड़ के दरकने को लेकर आगाह कर देता है।

जाहिर है, भारत में भी भूस्खलन से निपटने के लिए समय-पूर्व चेतावनी प्रणाली की जरूरत है। इससे हम जान-माल के नुकसान से काफी हद तक बच सकते हैं। बेशक, केंद्र सरकार इसको लेकर गंभीर है, लेकिन जब तक स्थानीय स्तर पर जागरूकता नहीं आएगी, तब तक मनमाफिक परिणाम हमें नहीं मिल सकेंगे। लिहाजा, जागरूकता की शुरुआत निचले स्तर से ही करनी होगी।

ध्यानाभ्यास में हम दुनिया का चौनल बंद करके प्रभु का चौनल खोल लेते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

आपदा आने पर ही जागने की आदत

बरसात का मौसम हर वर्ष विकराल तबाही के मंजर लेकर आने लगा है। पहाड़ी इलाकों में तो हर वक्त बुरी खबर की आशंका बनी रहती है। अभी तक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बरसात से जमीन धंसने, घर, पुल, सड़कें, वाहन आदि बह जाने से सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं, सैकड़ों लापता हैं। हजारों लोग जहां-तहां फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने की कोशिशें जारी हैं। इसी हफ्ते केरल के वायनाड में भी भारी तबाही हो गई। भूस्खलन में पूरे के पूरे कई गांव खत्म हो गए। मरने वालों की संख्या दो सौ के करीब पहुंच रही है, बहुत सारे लोग लापता हैं। ऐसे में फिर से वही सवाल उठने लगे हैं, जो कई वर्ष से उठते रहे हैं।

इस मुसीबत की बरसात में सबसे प्रमुख सवाल यह उठ रहा है कि बरसात और उससे होने वाली तबाही को लेकर पहले से चेतावनी जारी करने का कोई भरोसेमंद तंत्र क्यों विकसित नहीं किया जाता, जिससे लोगों को समय रहते जोखिम वाली जगहों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। वायनाड के मामले में केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि वहां तीन-चार दिन पहले ही चेतावनी जारी कर दी गई थी कि बारिश से भारी तबाही हो सकती है, मगर राज्य सरकार ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। मगर राज्य सरकार ने ऐसी किसी चेतावनी से इंकार किया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान और चेतावनी भी विश्वसनीय नहीं रहे

अब विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा है कि बारिश और भूस्खलन को लेकर पूर्व चेतावनी का व्यावहारिक तंत्र विकसित करने की जरूरत है। बरसात के बारे में

चेतावनी मौसम विभाग जारी करता है। मगर अक्सर उसके पूर्वानुमान भरोसेमंद साबित नहीं होते। अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जब वह बरसात से होने वाले नुकसान का सही-सही अंदाजा नहीं लगा पाया। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। अंधाधुंध चली विकास परियोजनाओं के चलते अनेक जगहों पर पहाड़ हिल चुके हैं, उनकी मिट्टी भुरभुरी हो चुकी है।

जैसे ही तेज बरसात होती है, पहाड़ धंसने लगते हैं। उन पर बने घर, सड़कें और पुल ध्वस्त हो जाते हैं। बरसात की बदलती प्रकृति भी अब किसी से छिपी नहीं है। हिंद महासागर के गर्म होने से इस मौसम में बादल तेजी से बनते और मोटी बूंदों के रूप में बरसने लगते हैं। बादल फट पड़ते हैं। कम समय में बरसे अधिक पानी को पहाड़ झेल नहीं पाते। वायनाड के बारे में भी तथ्य छिपे नहीं थे। वहां का काफी बड़ा इलाका जोखिमभरा है। मिट्टी भुरभुरी होने की वजह से वहां भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है।

मौसम विभाग और भूसर्वेक्षण से जुड़े महकमे अगर परस्पर तालमेल कर अध्ययन करें, तो बरसात के समय होने वाले नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। जोखिम वाले इलाकों पर बारीकी से नजर रखी जाए, तो समय रहते वहां से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के खतरे दिनों-दिन बढ़ रहे हैं। मगर उसके मद्देनजर न तो विकास परियोजनाओं का आकलन किया जाता है और न संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के लिहाज से एहतियाती उपाय किए जाते हैं। बरसात के समय हादसे हो जाने के बाद सब सक्रिय नजर आते हैं, जिन्हें राजनीति करनी होती है, वे उन पर राजनीति भी करते हैं। मगर इस सबके बीच जिन लोगों की जिंदगियां खत्म हो जाती हैं, जिनके घर-परिवार, मवेशी, जमीन-जायदाद नष्ट हो जाते हैं, उनकी भरपाई कभी नहीं हो पाती।

5 हजार किलोमीटर दूर से फेफड़े का ट्यूमर निकाला

जरा हट के

आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर दूर दराज से ऑपरेशन करना कोई नई बात नहीं रह गई है, लेकिन ऐसा केवल छोटे या सरल तरह के ऑपरेशन के साथ ही हो पाता है. वैसे तो तकनीक हर तरह के ऑपरेशन के लिए संभव बताई जाती है, लेकिन फिलहाल ऐसे ऑपरेशन कम ही होते हैं. लेकिन चीन के एक अस्पताल ने एक ऐसी सर्जरी करने का बड़ा कारनामा कर डाला है. इसमें सर्जन मरीज से 5,000 किलोमीटर दूर था, फिर भी उसने फेफड़े का एक ट्यूमर सफलता से निकाल दिया.

अत्याधुनिक तकनीक और व्यापक शोध का उपयोग करते हुए, डॉक्टरों की एक टीम ने शंघाई में अपने एक सहकर्मी को एक ऐसी मशीन को दूर से नियंत्रित करने के लायक बनाया, जिसने केवल एक घंटे में फेफड़े के ट्यूमर को हटा दिया. इस अभूतपूर्व प्रक्रिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर

वायरल हो गया है.

शेयर बाजार के व्यापारी और विशेषज्ञ नरेश नंबिसन ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, "चीन में एक सर्जन ने 5000 किलोमीटर दूर रहते हुए एक मरीज के फेफड़े के ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाला. डॉक्टर ने शंघाई में अपने कार्यालय से मशीन को दूर से संचालित किया, जबकि मरीज देश के विपरीत दिशा में स्थित काशगर में था. पूरा ऑपरेशन एक घंटे में पूरा हो गया,"

शंघाई नगरपालिका के सूचना कार्यालय के एक बयान के अनुसार, शंघाई चेस्ट अस्पताल के डॉक्टरोंऑ ने "विस्तृत नैदानिक शोध" और "घरेलू रूप से निर्मित सर्जिकल रोबोट" के साथ काम करने के बाद यह उपलब्धि हासिल की. ऑपरेशन का नेतृत्व करने वाले सर्जन डॉ लुओ किंगक्वान ने कुछ सहायकों की मदद से इसे अंजाम दिया. लुओ ने कहा, "इस सर्जरी की सफलता देसी स्तर पर बने सर्जिकल रोबोट की काबिलियत दिखाने के लिए एक मील का पत्थर है, जो रोगियों, विशेष रूप से दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अधिक फायदा पहुंचा सकता है."

डेंगू के साथ येलो फीवर का भी हो सकता है खतरा

■ जानिए इसके लक्षण और बचाव के तरीके

मानसून के दिनों में मच्छर जनित रोगों का खतरा काफी बढ़ जाता है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश के कई राज्य इन दिनों डेंगू का प्रकोप झेल रहे हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल सहित पूर्वी राज्यों में भी इस रोग के मामले बढ़े हैं। इस साल अब तक कर्नाटक में डेंगू के 10,000 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जिनमें आठ की मौत हो गई है। दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में भी डेंगू संक्रमण के मामले बढ़ने की खबर है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मानसून के दिनों में डेंगू के साथ-साथ मच्छरों के कारण होने वाली कई अन्य बीमारियों का भी जोखिम बढ़ जाता है। येलो फीवर भी उनमें से एक है। येलो फीवर को एक गंभीर और संभावित रूप से घातक फ्लू जैसी बीमारी माना जाता है जो उन्हीं एडीज एजिप्टी मच्छरों द्वारा फैलती है, जो डेंगू और जीका वायरस फैलाते हैं।

येलो फीवर के गंभीर रूप लेने का खतरा रहता है। घातक रोग के शिकार 30 से 50 फीसदी रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए जानते हैं कि येलो फीवर क्यों इतना खतरनाक है और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

■ येलो फीवर के बारे में जानिए

येलो फीवर वायरस (फ्लेविवायरस) येलो फीवर का कारण बनता है। ये बीमारी भी संक्रमित मच्छरों के किस इंसान को काटने से फैलता है। संक्रमित व्यक्ति से दूसरे लोगों में इसके फैलने का खतरा नहीं होता है। जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है, इस बुखार के कारण त्वचा का रंग पीला पड़ने (पीलिया) का खतरा हो सकता है। संक्रमितों में तेज बुखार के साथ पीलिया होने का जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

डॉक्टर कहते हैं, समय रहते लक्षणों की पहचान कर इसका इलाज लेना जरूरी हो जाता है। इलाज में देरी के कारण गंभीर रोग होने का खतरा बढ़ जाता है।

■ येलो फीवर के लक्षण कैसे होते हैं?

अध्ययनों से पता चलता है कि येलो फीवर के मामले तेजी से विकसित होते हैं, जिसके लक्षण संक्रमण के 3 से 6 दिन बाद दिखाई देते हैं। संक्रमण के शुरुआती लक्षण इन्फ्लूएंजा वायरस के समान ही होते हैं इसमें बुखार के साथ सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, ठंड लगने की दिक्कत हो सकती है। रोग के गंभीर रूप लेने के कारण जोड़ों में दर्द के साथ पीलिया, भूख न लगने, कंपकंपी या पीठ दर्द की भी दिक्कत हो सकती है।

समय पर अगर इसका इलाज न हो पाए तो कुछ लोगों को पेशाब की समस्या, उल्टी होने (कभी-कभी खून के साथ), हृदय गति से संबंधी समस्याएं, दौरे पड़ने और नाक-मुंह से खून आने का भी खतरा हो सकता है।

■ येलो फीवर का इलाज और बचाव

येलो फीवर का कोई इलाज नहीं है। उपचार में लक्षणों को प्रबंधित करने और संक्रमण से लड़ने में आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने वाले कुछ उपाय किए जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, येलो फीवर से बचाव के लिए प्रयास करते रहना जरूरी है।

येलो फीवर को रोकने का एकमात्र तरीका टीकाकरण है। इसके लिए 17D नाम का टीका दिया जाता है जो काफी प्रभावी माना जाता है। मच्छरों के काटने से बचाव के तरीके अपनाना भी इस रोग से आपको सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है।

मोतीचूर लड्डू

खाना-खजाना

फेस्टिवल सीजन शुरू होने वाला है. राखी भी आने वाली है. इस फेस्टिवल में भाई का मुंह मीठा कराने के लिए घर का बना मोतीचूर लड्डू से हाइजीनिक और स्वादिष्ट और क्या हो सकता है. तो चलिए हम आपको सिर्फ 10 मिनट में मोतीचूर लड्डू बनाने की रेसिपी बता रहे हैं. इस रेसिपी को शेयर किया है जानी-मानी शेफ पंकज भदौरिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर.

■ सामग्री :

बेसन-1 कप
चीनी-1 कप
ऑरेंज फूड कलर- 1 चुटकी
पानी- 3/4 कप
घी- 2 बड़े चम्मच

■ विधि :

सबसे पहले एक पैन में एक कप चीनी और पानी डालें. इसे गैस पर रखकप एक तार की चाशनी बनने तक पकाएं. लगभग 3-4 मिनट में ये तार बनने लगेगा. बीच-बीच में चलाते रहें. इसमें ऑरेंज फूड कलर भी डाल दें. अब एक

बाउल में एक कप बेसन को छन्नी में डालकर छानते हुए डालें. थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा सा घोल बना लें. घोल बहुत पतला नहीं बनना चाहिए. अब इसे अच्छी तरह से मिक्स कर लें. गैस पर एक पैन रखें. उसमें घी डालें. घी गर्म हो जाए तो बेसन के घोल को लंबे आकार में 3-4 कलछुन डाल दें. इसे दोनों तरफ से हल्का गोल्डन ब्राउन होने तक पकाएं. अब एक प्लेट में निकाल लें. जब हल्का ठंडा हो जाए तो इसे तोड़कर मिक्सी में डालें और दरदरा पीस लें. चाशनी वाले पैन में इस बेसन के मिक्सचर को डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें.

इसे ढक कर 3-4 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि चाशनी अच्छी तरह से एब्जॉर्ब हो जाए. अब गोल लड्डू का शेप देते जाएं. इसके ऊपर पिस्ता, बादाम या किशमिश से गार्निश कर सकते हैं.

50 की उम्र के बाद जवाब दे गया घुटना?

ज्यादातर महिलाओं में होती है दिक्कत, ये उपाय दे सकता है आराम

घुटना घिसने की समस्या आज आम हो चुकी है. खासकर 50 प्लस महिलाओं में परेशानी अधिक देखी जा रही है. बता दें कि घुटना घिसना उसे कहते हैं, जब दोनों घुटने के बीच का ग्रीस घिस जाता है और दोनों घुटने आपस में टकराने लगते हैं. कई बार कट-कट की आवाज भी आती है. ऐसे व्यक्तियों को बहुत देर तक खड़ा रहना मुश्किल हो जाता है, कभी-कभी असहनीय दर्द और सूजन भी हो जाती है.

रांची के आयुर्वेदिक डॉ. वीके पांडे (विनोबा भावे यूनिवर्सिटी से BAMS) ने बताया कि घुटना घिसना खासकर महिलाओं में अधिक देखा जाता है. क्योंकि वह अधिक देर तक खड़े होकर काम करती हैं. इसके अलावा जरूरी पोषक तत्वों की कमी सही उम्र में न मिलने पर इस तरह की समस्या होती है. हालांकि, आयुर्वेद में इसका खास इलाज बताया गया है, जिससे काफी लोगों को आराम भी मिला है.

इसलिए दोबारा नहीं बन पाता ग्रीस

इसके अलावा अधिक जंक फूड का सेवन करना, एक्सरसाइज न करना, गलत लाइफस्टाइल, देर से सोकर उठना, पूरी रात जागना, ये सारी चीजें भी घुटनों पर गलत प्रभाव डालती हैं. घुटनों का ग्रीस घिसने के साथ फिर से बनता भी है, लेकिन गलत लाइफस्टाइल के चलते धीरे-धीरे ग्रीस बनना न के बराबर हो जाता है. क्योंकि उसे जरूरी पोषक तत्व और मिनरल्स नहीं मिल पाते.

■ क्यों आती है ये समस्या

डॉ. वीके पांडे बताते हैं कि अक्सर ऐसा देखा जाता है कि महिलाएं जब यंग होती हैं तो अपने खान-पान को बहुत नजरअंदाज करती हैं या शादीशुदा महिलाएं भी फैमिली को मैनेज करने में खुद के पोषण का ध्यान नहीं रखतीं. लेकिन, शरीर को जरूरी पोषक तत्वों की हमेशा जरूरत रहती है. ऐसे में प्रोटीन की मात्रा अगर सही से बॉडी में न जाए तो घुटने घिसने की समस्या 50 साल की उम्र के बाद देखने को मिलती है.

■ जानें इस समस्या का उपाय

डॉ. वीके पांडे बताते हैं कि आज भी भारत में इसका इलाज नहीं है. डॉक्टर ऑपरेशन बताते हैं पर ऑपरेशन उतना सक्सेसफुल नहीं है. ऐसे में रात में सोते समय एक कपड़ा लें, उसे गर्म करें और घुटनों को सेंकें. रात भर इस कपड़े को बांधकर सो जाएं, दर्द में काफी आराम मिलेगा. इसके अलावा मेथी का पानी सुबह पीना काफी लाभदायक होता है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट और जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो घुटने को आराम देते हैं.

■ डाइट में करें ये बदलाव

इसके अलावा आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा. मटर, चना, दही, उड़द दाल व फ्रिज का ठंडा पानी या कोई भी ठंडा पदार्थ भूलकर भी सेवन न करें. खाने में प्रोटीन की मात्रा अधिक शामिल करें. जैसे बीन्स, पालक, हरी पत्तेदार सब्जियां, सोयाबीन आदि, ये सारी चीजें काफी फायदेमंद मानी जाती हैं. ड्राई फ्रूट्स में अखरोट और बादाम फायदेमंद होंगे.

चुटकुले

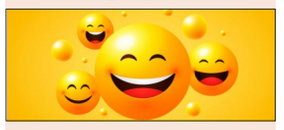

■ लड़का - पता है, बस में बैठते हुए मैं किसी लड़की को खड़ा नहीं देख सकता..
लड़की - तो फिर तुम क्या करते हो..?
लड़का - मैं अपनी आंखें बंद कर लेता हूं..!!!

■ **पहला दोस्त** - क्या कर रहे हो भाई?
दूसरा दोस्त - खा रहा हूं भाई...!
पहला दोस्त - अकेले-अकेले...?
दूसरा दोस्त - अबे बीवी से ताने खा रहा हूं, आजा तू भी खा ले...!!!

■ एक औरत ने पंडित जी से घर की खुशहाली का उपाय पूछा.
पंडित जी .. बेटी पहली रोटी गाय को खिलाया करो और आखिरी रोटी कुत्ते को.
औरत.. पंडित जी मैं ऐसा ही करती हूं.
पहली रोटी खुद खाती हूं और आखिरी रोटी अपने पति को खिलाती हूं.

आज का राशिफल

मेष : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें।

वृषभ : मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

मिथुन : व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कर्क : कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा।

सिंह : तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

कन्या : यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी।

तुला : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक : कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

धनु : किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। सहयोग मिलेगा।

मकर : परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है।

कुंभ : जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें।

मीन : किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बलिया के सिपाही ने गोरखपुर में की आत्महत्या

गोरखपुर. गोरखपुर में तैनात बलिया के सिपाही ने शनिवार देर रात आत्महत्या कर ली। उसका शव किराए के मकान में फांसी के फंदे से लटका मिला। घर से बदबू उठने पर मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर फंदे से लटक रहे सिपाही की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बलिया जिले के उभांव क्षेत्र के भोजउपुर गांव के रहने वाला सिपाही अरुण कुमार जून 2023 को बड़हलगंज थाने पर तैनात हुआ था। वह थाने से करीब डेढ़ किलोमीटर दूरी पर स्थित सिधुआपार में रूदल यादव के मकान में किराए पर रहता था। गुरुवार को ड्यूटी करने के बाद अपने सहयोगियों से तबीयत खराब होने की बात कह कर अपने रूम के लिए निकल गया। शनिवार की सुबह उसके कमरे से तेज बदबू आने लगी। मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो सिपाही अरुण का शव कुंडी से लटक रहा था। एसपी साउथ जितेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पड़ोसी का बीवी के साथ था अवैध संबंध, पति ने गला रेतकर मौत के घाट उतारा

हापुड़. हापुड़ में पत्नी के अवैध संबंध का पता लगने पर पति ने पड़ोस में ही रहने वाले पांच बच्चों के पिता की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की तो वह गुमराह करता रहा। सख्ती बरतने पर आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक बेटे की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव शेरपुर में शुक्रवार रात को 60 वर्षीय सईद खां की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। पड़ोस में ही रहने वाले शरीफ सलमानी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सईद की हत्या होने का पता लगते ही गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि सईद खां गांव में ही भूरे के आम के बाग में रखवाली करता था। जिसकी पत्नी गाजियाबाद में नौकरी करने वाले अपने तीन बेटों के साथ रहती है। दोनों बेटियों की काफी दिन पहले ही शादी हो गई थी।

मोबाइल चोरी के शक में नाबालिग को तालिबानी सजा, बिजली के खंभे से बांधकर पीटा

उन्नाव. उन्नाव से मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां मोबाइल चोरी के शक में एक नाबालिग को खंभे से बांध दिया गया। आरोप है कि दबंगों ने उसकी बेरहमी से पिटाई भी की। वहीं किशोर के खंभे से बांधने का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उधर, परिजनों से शिकायत करने पर गांव के लोगों ने दबाव बनाकर मामले को रफा-दफा करा दिया है। हालांकि किशोर के साथ की गई अभद्रता का फोटो सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े हुए हैं। ये घटना बीघापुर थाना क्षेत्र का है। अकवाबाद गांव के रहने वाले युवक ने गांव के ही एक किशोर पर फोन चोरी करने का आरोप लगाया। विरोध करने पर युवक ने नाबालिग को पहले गांव में लगे बिजली के खंभे में बांधा फिर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। नाबालिग के परिजन जब मौके पर पहुंचे और उन्होंने इस बात का विरोध किया तो युवक ने उन्हें भी मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने बिजली खंभे से हटाकर घर के दरवाजे पर सीमेंट खंभे से बांध दिया और उसे प्रताड़ित किया।

PM मोदी फिर से दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

- मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे में 69% अप्रूवल रेटिंग मिली
- अमेरिकी राष्ट्रपति टॉप-10 में भी नहीं

नई दिल्ली. भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने हैं। मॉर्निंग कंसल्ट नाम की ग्लोबल डिसीजन इंटेलिजेंस फर्म ने दुनिया 25 देशों के प्रमुखों की अप्रूवल रेटिंग जारी की है। इस लिस्ट में 69% रेटिंग के साथ पीएम मोदी पहले स्थान पर हैं।

लिस्ट में दूसरा स्थान मेक्सिकी राष्ट्रपति आंद्रे मैनुअल लोपेज ओब्राडोर को मिला है। उनकी अप्रूवल रेटिंग 60% रही। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन टॉप-10 नेताओं में भी शामिल नहीं हैं। 39% अप्रूवल रेटिंग के साथ वे 12वें नंबर पर रहे। वहीं, 25वां यानी आखिरी स्थान जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को मिला। उनकी रेटिंग 16% रही।

इससे पहले फरवरी में 78% की अप्रूवल रेटिंग के साथ पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता रहे थे। मॉर्निंग कंसल्ट का यह सर्वे 30 जनवरी से 5 फरवरी के बीच जुटाए गए डेटा पर आधारित था। तब भी मेक्सिकी राष्ट्रपति आंद्रे मैनुअल लोपेज ओब्राडोर दूसरे स्थान पर थे। उनकी रेटिंग 64% थी।

7 दिन के सर्वे से तय हुई अप्रूवल रेटिंग

ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग ट्रेकर वेबसाइट मॉर्निंग कंसल्ट के मुताबिक ये लिस्ट 8 से 14 जुलाई के बीच कलेक्ट किए डेटा पर आधारित है। हर देश के 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को सर्वे करने के बाद सात दिन के औसत से अप्रूवल रेटिंग तय होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले ग्लोबल लीडर बन गए हैं। PM के फॉलोअर्स का आंकड़ा 100 मिलियन (10 करोड़) हो गया है। पिछले 3 साल में मोदी को 30 मिलियन (3 करोड़) नए लोगों ने फॉलो किया। नरेंद्र मोदी ने 2009 में X (तब ट्विटर) जॉइन किया था।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति और कनाडा के PM की लोकप्रियता कम हुई

नई रेटिंग के मुताबिक जो बाइडेन 39% अप्रूवल रेटिंग के साथ 12वें नंबर पर रहे। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो 29% अप्रूवल रेटिंग के साथ 20वें स्थान पर और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ को 20% अप्रूवल रेटिंग के साथ लिस्ट में 22वें स्थान पर रहे हैं। इससे कहा जा सकता है कि इन तीन नेताओं की लोकप्रियता में गिरावट आ रही है।

गैंगरेप का आरोपी सपा नेता 50 करोड़ का मालिक

सपा नेता की बेकरी

- दूसरी क्लास तक पढ़ा
- राजनीति में आकर अवैध धंधे फैलाए
- दंगे का भी आरोपी

अयोध्या. अयोध्या रेपकांड के मुख्य आरोपी सपा नेता मोईद खान के पक्ष में अखिलेश यादव भले ही नजर आ रहे हो। मगर योगी सरकार उसकी नामी-बेनामी प्रॉपर्टी की जांच शुरू कर चुकी है। सवाल उठ रहा है कि मदरसे से दूसरी क्लास तक पढ़ा मोईद खान आखिर बीते 15 सालों में 50 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी का मालिक कैसे बन गया।

ADM प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह के मुताबिक, शुरुआत में मोईद खान की 1 करोड़ की जमीन को चिह्नित किया गया है। उसकी बेकरी तालाब की जमीन पर 3000 स्क्वायर फीट में बनी थी, जिसको तोड़ा गया है। 48 घंटे में अयोध्या और आस-पास के कई लोग शिकायत लेकर आए हैं कि उनकी जमीन पर मोईद खान ने जबरन कब्जा किया है। इनकी जांच चल रही है।

यह भी सामने आया है कि मोईद खान 2012 में हुए भदरसा दंगे का आरोपी रह चुका है। एक समय कांग्रेस के लिए चुनाव कैंपेन करने वाला मोईद 2012 से सपा का नगर अध्यक्ष है। 2012 से उसका पॉलिटिकल रसूख और आर्थिक साम्राज्य बढ़ता ही चला गया।

एमपी के सागर में दीवार गिरी, 9 बच्चों की मौत

सागर. सागर में दीवार गिरने से 9 बच्चों की मौत हो गई जबकि 2 घायल हैं। बच्चों की उम्र 8 से 15 साल के बीच है। हादसा रविवार सुबह करीब 10 बजे रहली विधानसभा के शाहपुर में हुआ। जेसीबी से मलबा हटाकर शव और घायल बच्चों को बाहर निकाला गया। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, शाहपुर के हरदौल मंदिर में शिवलिंग निर्माण और भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यहां सुबह से ही लोग शिवलिंग बनाने पहुंच जाते हैं। रविवार की छुट्टी होने के कारण शिवलिंग बनाने के लिए बच्चे भी बड़ी संख्या में आए थे। मंदिर में जिस जगह बच्चे बैठकर शिवलिंग बना रहे थे, उसके लगे मकान की दीवार अचानक ढह गई। यह मकान करीब 50 साल पुराना है। लगातार हो रही बारिश की वजह से कमजोर हो रहा था। मंदिर में जहां हादसा हुआ, वहां की जमीन भी पानी की वजह से धंस गई थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे नगर परिषद कर्मचारी, पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर रेस्क्यू शुरू किया।

महाराष्ट्र सरकार पर BMC का 10 हजार करोड़ बकाया... फिर भी शांत

मुंबई. यदि मुंबईकरों पर कुछ हजार रुपये बकाया रह जाए, तो बीएमसी उसके खिलाफ कार्रवाई करने दल-बल के साथ पहुंच जाती है। लेकिन वर्ष 2002 से 31 मई 2024 तक सरकार ने बीएमसी का 9,674 करोड़ रुपये बकाया नहीं जमा किया है। इनके खिलाफ बीएमसी सिर्फ पत्राचार कर खानापूर्ति कर रही है।

बीएमसी के बकाएदारों में सरकार के 26 विभाग शामिल हैं।

इनमें सर्वाधिक 1,813 करोड़ रुपये नगर विकास विभाग पर बकाया है। जबकि 6,581 करोड़ रुपये शिक्षा का अनुदान मिलना बाकी है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि मार्च 2020 से 30 जून 2022 के दौरान कोरोना से निपटने में जो खर्च किया गया है, उसी के तहत 1,942 करोड़ रुपये जिलाधिकारी (शहर और उपनगर) और 1,958 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार के एसडीआरएफ डिपार्टमेंट से बीएमसी को मिलना बाकी है।

वर्ष 2024-25 के बजट में बीएमसी कमिश्नर ने सरकार से कहा था कि मुंबई में बड़े पैमाने पर विकास योजनाओं का काम चल रहा है, जिसके लिए बड़े पैमाने पर निधि की जरूरत है। बीएमसी इन पैसों की वसूली के लिए सरकार के विभिन्न विभागों से पत्रों के माध्यम से संपर्क में है, लेकिन अभी तक सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है।

अदालती कार्यवाही से तंग आकर समझौता कर लेते हैं लोग

- CJI चंद्रचूड़ ने ही खोल दी सिस्टम की पोल

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि लोग अदालती कार्यवाही से इतने त्रस्त हो चुके हैं कि वे किसी तरह बस समझौता चाहते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया वादियों के लिए एक सजा हो गई है। लोग इससे छुटकारा पाने के लिए अक्सर कम समझौते को भी स्वीकार कर लेते हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने लोक अदालतों की भूमिका और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह (लोक अदालत) एक ऐसा मंच हैं, जहां अदालतों में या मुकदमेबाजी से पहले लंबित विवादों और मामलों का सौहार्द्रपूर्ण ढंग से समझौता किया जाता है। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से हुए समझौते के खिलाफ कोई अपील भी दाखिल नहीं की जा सकती।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट के 75 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'विशेष लोक अदालत' के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। 29 जुलाई से 3 अगस्त तक चले इस विशेष लोक अदालत के समापन के मौके पर उन्होंने कहा कि अदालती कार्यवाही से लोग इतना परेशान हो जाते हैं कि वे अदालती मामलों से कोई भी समझौता चाहते हैं, जज के रूप में यह हम सभी के लिए चिंता का विषय है।

लोक अदालत को संस्थागत बनाने की जरूरत

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि 'लोक अदालतों के माध्यम से न्याय देने की प्रक्रिया को संस्थागत बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें हर स्तर पर लोक अदालत की स्थापना में बार और बेंच (वकीलों और जजों) सहित सभी से समर्थन मिला। सीजेआई ने अपने संबोधन में कहा कि जब विशेष लोक अदालत के लिए उन्होंने पैनल गठित किए गए थे, तो यह सुनिश्चित किया गया था कि प्रत्येक पैनल में दो न्यायाधीश और दो वकील होंगे। उन्होंने कहा कि 'ऐसा करने के पीछे उनका मकसद अधिवक्ताओं को संस्था पर स्वामित्व देना था क्योंकि यह ऐसी संस्था नहीं है जिसे केवल न्यायाधीश चलाते हैं। उन्होंने कहा कि यह जजों के लिए, जजों द्वारा जजों की संस्था नहीं है। इस अवसर पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीश, बार एसोसिएशन के अधिकारी शामिल हुए।

बिहार CM ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। वो भी ई-मेल के जरिए। धमकी भरा ई-मेल सीधे तौर पर CMO के आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजा गया था। धमकी भरे ई-मेल में चौंकाने वाली बात यह है कि उसमें CMO को बम से उड़ाने की बात लिखने के साथ ही 'अलकायदा ग्रुप' लिखा हुआ था। पुलिस की माने तो सीएमओ के सरकारी मेल आईडी पर मेल आया कि सीएमओ को बम से उड़ा दिया जाएगा। बिहार की स्पेशल पुलिस भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती है। इसे हल्के में लेने की कोशिश न करें। मेल अलकायदा ग्रुप के नाम से भेजा गया था।

इसे पढ़ने के बाद से सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया। जिसके बाद मामले की जानकारी पटना पुलिस को दी गई। तब शुरुआती जांच के बाद सचिवालय थाना में 2 अगस्त को इस मामले में FIR दर्ज की गई। जिस ईमेल आईडी से धमकी भरा मैसेज आया है, उसी को पुलिस ने नामजद किया है। CMO के ईमेल पर बम से उड़ाने की धमकी भरा मैसेज 16 जुलाई को आया था। पुलिस के अनुसार धमकी ईमेल आईडी 'achw700@gmail.com' से भेजी गई थी।

अधिक कीमत पर खून बेचने वाले ब्लड बैंकों के खिलाफ कार्रवाई

- हिंदुजा अस्पताल पर 2 साल का जुर्माना

मुंबई. ब्लड बैंकों द्वारा अतिरिक्त कीमत पर खून बेचने के मामले में ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल (एसबीटीसी) ने 1 करोड़ 32 लाख 92 हजार रुपये का जुर्माना वसूला है। यह रकम मुंबई के 21 निजी अस्पतालों के ब्लड बैंकों से वसूली गई है. हालांकि अथॉरिटी की ओर से खुलासा हुआ है कि एक निजी अस्पताल ने दो साल बाद भी जुर्माना भरने से इनकार कर दिया है.

मरीजों को कम कीमत पर रक्त उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार के निर्देश पर राज्य सरकार की स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल (एसबीटीसी) द्वारा रक्त शुल्क तय किया गया था. हालाँकि, चूंकि निजी अस्पताल इसका उल्लंघन कर रहे हैं, इसलिए राज्य सरकार ने 2018 में अतिरिक्त शुल्क लेने वाले ब्लड बैंकों पर चार गुना जुर्माना लगाने का फैसला किया है। हालांकि, सूचना के अधिकार से यह बात सामने आई है कि इस नियम का उल्लंघन करने वाले ब्लड बैंकों पर इससे पहले भी जुर्माना लगाया जा चुका है.

एसबीटीसी ने 2014 से 2018 की अवधि के दौरान अतिरिक्त लागत पर रक्तदान करने वाले 21 ब्लड बैंकों से 1 करोड़ 32 लाख 92 हजार रुपये जुर्माना वसूला। इनमें सबसे ज्यादा जुर्माना हिंदुजा अस्पताल पर 33 लाख 30 हजार रुपये का है. उसके तहत 17 लाख 37 हजार रुपये, कोकिलाबेन हॉस्पिटल से 14 लाख 72 हजार रुपये, मुंबई हॉस्पिटल से 12 लाख 62 हजार रुपये, फोर्टिस हॉस्पिटल से 9 लाख 34 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया है. हालांकि, हिंदुजा हॉस्पिटल ने जुर्माने की कुल रकम में से सिर्फ 50 रुपये ही चुकाए हैं। सूचना के अधिकार से पता चला है कि इस जुर्माने को भरने के लिए एसबीटीसी से बार-बार संपर्क करने के बावजूद उसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है.

भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची

- ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया
- 2 गोल बचाने वाले गोलकीपर श्रीजेश हीरो

पेरिस ओलिंपिक में भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंडिया ने ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हरा दिया। फुलटाइम मैच में दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबर था। शूटआउट में भारत ने लगातार 4 गोल किए। ब्रिटेन की टीम सिर्फ दो गोल कर पाई। भारतीय गोलकीपर श्रीजेश जीत के हीरो रहे, जिन्होंने 2 गोल बचाए।

भारतीय टीम की यह जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि टीम सिर्फ 10 खिलाड़ियों से खेल रही थी। 60 मिनट के खेल में 48 मिनट भारतीय डिफेंडर अमित रोहिदास मैच से बाहर रहे। उन्हें रेफरी ने 12वें मिनट में रेड कार्ड दिया था, हालांकि रेफरी का यह फैसला विवादों में आ गया। पूर्व भारतीय ओलिंपियन जुगराज सिंह ने कहा कि इस फाउल के लिए यलो कार्ड देना ही काफी था।

2 गोल बचाने वाले पीआर श्रीजेश अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे हैं। 36 साल इस अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कुछ दिन पहले कहा था- 'पेरिस ओलिंपिक उनका आखिरी इंटरनेशनल टूर्नामेंट होगा।' पूरी खबर

शूटआउट में जीता भारत, सभी प्रयास में गोल दागे

भारत ने ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत की ओर से शूटआउट में हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल ने सफल गोल किए। जबकि इंग्लैंड की ओर से जेम्स एल्वेरी ने पहले और जैक वैलिस ने दूसरे प्रयास में गोल दागे। उसके बाद कोनोर विलियम्सन तीसरे और फिलिप रॉपर चौथे प्रयास में गोल नहीं कर सके। यहां भारत के अनुभवी गोलकीपर ने शानदार बचाव किया।

मणिपुर CM बोले-5 साल में 10 हजार अवैध प्रवासी आए

- हिंसा से पहले म्यांमार से 2400 आ चुके थे
- डिटेंशन सेंटर के लिए 85 लाख खर्च

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि पिछले 5 साल में राज्य में कुल 10,675 घुसपैठिए आए हैं। उन्होंने 12वीं विधानसभा के छठे सेशन में कहा- ये घुसपैठिए म्यांमार, बांग्लादेश, नॉरवे, चीन और नेपाल से आए हैं।इन 10,675 में से 85 पिछले 5 साल में वापस भेज दिए गए। फिलहाल 143 घुसपैठिए डिटेंशन सेंटर में हैं। इन लोगों के मेंटेनेंस में 85 लाख से ज्यादा खर्चा हो रहा है।

अवैध अप्रवासियों को रोकने के लिए सरकार वेरिफिकेशन प्रोग्राम चला रही है। इसका आदेश 24 मार्च, 2023 को दिया गया था। इसके तहत चूड़ाचांदपुर, चंदेल, टेंग्नौपाल, कामजोंग और फेरजावल जिले में प्रवासियों की पहचान किए जाने का काम हो रहा है।

CM ने कहा कि राज्य में हिंसा भड़कने से पहले ही म्यांमार से 2,480 अवैध अप्रवासी आ गए थे। इन्हें रोकने के लिए केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि भारत-म्यांमार बॉर्डर पर फेंसिंग होगी। फेंसिंग का काम पहले ही शुरू हो चुका है। पिलर 79 से 81 के बीच 9 किलोमीटर की बॉर्डर फेंसिंग हो भी चुकी है।

जिला पुलिस अप्रवासियों को रोकने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। बॉर्डर एरिया में 6 पुलिस स्टेशन और 34 पुलिस चौकियां स्थापित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। इसके अलावा बॉर्डर के पास वाले 5 जिलों में सिविल और पुलिस नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

CM विधानसभा में बोले- हिंसा का राजनीतिकरण हो रहा है

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में कहा- सरकार शांति स्थापित करने के लिए काम कर रही है। इसे लेकर असम के सिलचर में कई बैठकें हो चुकी हैं। जल्द ही शांति स्थापित करने को लेकर बड़ा ऐलान भी करेंगे।

उन्होंने आगे कहा- हिंसा का राजनीतिकरण किया जा रहा है। इसलिए हालात मुश्किल हो रहे हैं। कुछ तत्व ऐसे हैं जो राजनीति कर रहे हैं। मैं उनसे अपील करता हूं कि वे ऐसा न करें।

इससे एक दिन पहले बुधवार को बीरेन सिंह ने विधानसभा में कहा था कि हिंसा में अब तक 226 लोग मारे जा चुके हैं। वहीं, 39 लापता हैं। 11,133 घरों में आग लगाई गई, जिसमें से 4,569 घर पूरी तरह खत्म हो चुके हैं। हिंसा को लेकर कुल 11,892 केस दर्ज हुए हैं। 59,414 विस्थापित लोग राहत शिविरों में हैं। 5,554 किसानों की जमीन बर्बाद हो गई है। विस्थापितों को 302 राहत कैंप में स्थापित किया गया है।

वक्फ बोर्ड किसी जमीन को अपनी संपत्ति नहीं बता सकेगा

- केंद्र सरकार वक्फ एक्ट में संशोधन के लिए बिल लाएगी
- कैबिनेट की मंजूरी मिली

नई दिल्ली. केन्द्र सरकार जल्द ही मौजूदा वक्फ एक्ट में करीब 40 संशोधन करने की तैयारी में है। इसे लेकर सरकार एक नया बिल लेकर आ सकती है। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित करने की शक्ति है। नए बिल में इस पर रोक लगाई जा सकती है।

सूत्रों को मुताबिक शुक्रवार (2 अगस्त) को हुई कैबिनेट बैठक में इस बिल को मंजूरी भी मिल गई है। प्रस्तावित बिल में मौजूदा एक्ट की कुछ धाराओं को हटाया भी जा सकता है। संसद का मानसून सत्र अभी 12 अगस्त तक चलना है।

ओवैसी बोले- भाजपा हमेशा से वक्फ बोर्ड के खिलाफ रही है

वक्फ एक्फ में संशोधन की अटकलों को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो जब संसद सत्र चल रहा है, तो केंद्र सरकार संसद की सर्वोच्चता और विशेषाधिकारों के खिलाफ काम कर रही है और इसकी जानकारी संसद को देने की बजाय मीडिया को दे रही है। ओवैसी ने कहा कि वक्फ एक्ट में संशोधन को लेकर मीडिया में जो भी कहा जा रहा है, उससे यह पता चलता है कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड की ऑटोनॉमी छीनना चाहती है और उसमें दखल देना चाहती है। यह धर्म की स्वतंत्रता के खिलाफ है।

आगे उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह कि भाजपा हमेशा से इस बोर्ड और वक्फ की संपत्तियों के खिलाफ रही है। उनका हिंदुत्व का एजेंडा है। अब अगर आप वक्फ बोर्ड की स्थापना और संरचना में बदलाव करना चाहते हैं, तो इससे प्रशासनिक स्तर पर अव्यवस्था होगी, वक्फ बोर्ड की ऑटोनॉमी खत्म होगी और अगर सरकार वक्फ बोर्ड पर अपना कंट्रोल बढ़ाती है तो वक्फ की स्वतंत्रता पर असर पड़ेगा।

लव जिहाद के मामलों में होगी उम्रकैद

- असम सरकार जल्द लाने जा रही कानून

गुवाहाटी. असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने लव जिहाद के मामलों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि उनकी सरकार जल्द ही लव जिहाद में आजीवन कारावास की सजा के लिए नया कानून लाएगी। गुवाहाटी में राज्य भाजपा कार्यकारिणी की बैठक में उन्होंने यह बयान दिया। सीएम सरमा ने कहा, 'हमने चुनाव के दौरान लव जिहाद के बारे में बात की थी। हम जल्द ही एक कानून लाएंगे, जिसमें ऐसे मामलों में आजीवन कारावास की सजा होगी।'

हिमंत विश्व सरमा ने यह भी कहा कि जल्द ही एक नई अधिवास नीति पेश की जाएगी, जिसके तहत केवल असम में जन्में लोग ही राज्य सरकार की नौकरियों के लिए पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव पूर्व वादे के अनुसार प्रदान की गई 'एक लाख सरकारी नौकरियों' में स्वदेशी लोगों को प्राथमिकता मिली है, जो पूरी सूची प्रकाशित होने पर स्पष्ट होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार ने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच जमीन की बिक्री को लेकर भी फैसला किया है। राज्य सरकार इस तरह के लेनदेन को रोक नहीं सकती है, लेकिन आगे बढ़ने से पहले मुख्यमंत्री की सहमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है।

सीएम सरमा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उन्होंने सवाल उठाया कि अपनी जाति का खुलासा किए बिना जाति आधारित गणना कैसे संभव है। उन्होंने राहुल से कहा कि अगर उनके पास इस संबंध में कोई फॉर्मूला है, तो वह लोगों को बताएं। सरमा ने दावा किया कि राहुल गांधी देश में जाति आधारित गणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपनी जाति का खुलासा नहीं किया है। उन्होंने कहा, 'हम उनसे यह जानना चाहेंगे कि अपनी

संक्षेप...

डॉक्टर दंपत्ति पर दर्ज हुआ 1.27 करोड़ की ठगी का मामला

नवी मुंबई. नवी मुंबई के डॉक्टर दंपत्ति पर मेडिकल शॉप मालिक से 1.27 करोड़ रुपये की ठगी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि नवी मुंबई के एक डॉक्टर दंपत्ति ने मेडिकल शॉप मालिक से 1.27 करोड़ रुपये की ठगी की है। शिकायत के आधार शनिवार को एनआरआई पुलिस स्टेशन में डॉ. धवल कन्हैयालाल देराश्री और उनकी पत्नी डॉ. लता देराश्री के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है । शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि नवी मुंबई के सीवुड इलाके में एक अस्पताल के मालिक ने 2013 में उसे अपने अस्पताल में एक फार्मेसी की दुकान खोलने पेशकश की और उससे 49 लाख रुपये ले लिए। अधिकारी ने बताया कि नवी मुंबई के डॉक्टर दंपत्ति ने 48 लाख रुपये की दवाइयां भी खरीदी और उसका भी भुगतान नहीं किया।

विधानसभा चुनाव को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस की बैठक

पार्टी 288 में से 120 सीटों पर लड़ने की तैयारी में, 7 अगस्त को MVA की मीटिंग

मुंबई. आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर मुंबई में आज (4 अगस्त) मुंबई कांग्रेस और महाराष्ट्र कांग्रेस की दो अलग-अलग बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस पार्टी ने 7 अगस्त को होने वाली विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (MVA) की मीटिंग को लेकर अपनी रणनीति बनाई।

लोकसभा चुनाव में 13 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस का मनोबल बढ़ा हुआ है। इस कारण कांग्रेस लगातार ज्यादा सीटों की मांग कर रही है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों में से करीब 110- 120 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती है।

7 अगस्त को विधानसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग का फॉर्मूला और अन्य पहलुओं पर महाविकास अघाड़ी की बैठक होनी है। इसमें शिवसेना (UBT), कांग्रेस, NCP शरदचंद्र पवार तीनों प्रमुख पार्टी के वरिष्ट नेता शामिल होंगे।

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष बोलीं- मीटिंग में पार्टी ने चुनाव की रणनीति बनाई

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड ने कहा- महाविकास आघाड़ी की बैठक से पहले मुंबई में मुंबई कांग्रेस और महाराष्ट्र कांग्रेस की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रेमेश चेन्निथला के सामने विधानसभा चुनाव में पार्टी की रणनीति, मुद्दों पर चर्चा हुई।

आगे उन्होंने कहा कि मुंबई को लेकर मेरी बात उद्धव ठाकरे से हुई है। बातचीत का दौर अभी शुरू है। हम लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे। बैठक में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, बालासाहेब थोरात,वर्षा गायकवाड़ समेत महाराष्ट्र कांग्रेस के तमाम बड़े नेता मौजूद रहेंगे।

पुलिस ने साइबर जालसाजों से वसूले 100 करोड़ रुपए

- करीब 36 हजार शिकायतों का किया समाधान

मुंबई. मुंबई पुलिस ने साइबर जालसाजों से धोखाधड़ी के लगभग 100 करोड़ रुपये बरामद करने का दावा किया है, जो पिछले सात महीनों में ठगे गए लोगों के थे. अधिकारियों के अनुसार, जालसाजों द्वारा धोखा दिए जाने के बाद लगभग 35,918 पीड़ितों ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से मुंबई साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी.

ऑनलाइन धोखाधड़ी के 35,918 मामलों पर कार्रवाई

पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) दत्ता नलवाडे ने कहा कि इन शिकायतों के आधार पर ऑनलाइन धोखाधड़ी के 35,918 मामलों पर कार्रवाई की गई. ये मामले शेयर ट्रेडिंग, निवेश योजनाओं, कूरियर कॉल, डिजिटल गिरफ्तारी की धमकियों, ऑनलाइन लेनदेन और बहुत कुछ से संबंधित थे. उन्होंने लोगों से वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित किसी भी शिकायत की रिपोर्ट करने के लिए 1930 हेल्पलाइन नंबर का उपयोग करने का आग्रह किया.

वित्तीय धोखाधड़ी में 1930 पर कॉल करें

डीसीपी नलवाडे ने कहा, अगर किसी भी तरह की वित्तीय धोखाधड़ी होती है, तो तुरंत 1930 पर कॉल करें. हेल्पलाइन पर शिकायत मिलने के बाद तीन शिफ्ट में काम करने वाले तीन अधिकारी और 50 कांस्टेबल लेनदेन रोकने के लिए बैंकों और उनके नोडल कर्मियों से संपर्क करते हैं.

आरोपियों के खाते भी फ्रीज

डीसीपी ने कहा, आगे स्थानांतरण को रोकने के लिए आरोपियों के खाते भी फ्रीज कर दिए गए हैं. हेल्पलाइन नंबर 1930 लोगों के लिए जीवन रेखा बन गया है. उन्होंने यह भी कहा कि साइबर जालसाज लोगों को फंसाने और उनसे पैसे ऐंठने के लिए लगातार नए तरीके अपना रहे हैं.

नामदेव महाराज का समाधि उत्सव संपन्न

- विधायक चौगुले सहित सैकड़ों भक्तों ने उठाया
- दर्शन, महाप्रसाद का लाभ

भिवंडी. श्री संत शिरोमणी नामदेव सेवा प्रतिष्ठान व नामदेव शिंपी समाज के संयुक्त तत्वाधान में श्री संत शिरोमणी नामदेव महाराज का 674 वा संजीवन समाधी महोत्सव भिवंडी सहित संपूर्ण ठाणे जिला में अपार भक्तिमय एवम भारी उत्साह वातावरण में संपन्न हुआ.

समाधी महोत्सव के पावन अवसर पर सर्वत्र मुर्ती अभिषेक, भजन, प्रवचन व महाप्रसाद का आयोजन किया गया.भिवंडी शहर स्थित श्री गोपाल कृष्ण मंदिर सभागृह में सुबह संजीवनी समाधी महोत्सव के पावन मौके पर ह.भ.प.भागवताचार्य श्री.गणेश महाराज पुलकुंठवार द्वारा कीर्तन, भजन एवम महाआरती की गई.महाआरती में भाजपा विधायक महेश चौगुले सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित थे. महोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित भारी संख्या में भक्त मंडली ने नामदेव महाराज व विठ्ठल-रखुमाई मुर्ती का दर्शन सहित महाप्रसाद का लाभ प्राप्त किया. उक्त अवसर पर शिंपी समाज अध्यक्ष महेंद्र माडकर, नंदकुमार वेल्हाल, वरिष्ठ पत्रकार शरद भसाले द्वारा शहर के गणमान्य एवम समाज बंधुओं की मौजूदगी में ह.भ.प.भागवताचार्य श्री.गणेश महाराज पुलकुंठवार व विधायक महेश चौगुले का सत्कार किया गया. संत शिरोमणी संजिवनी समाधी महोत्सव भारी उत्साह से संपन्न होने की जानकारी देते हुए ठाणे जिला शिंपी उन्नती मंडल प्रमुख रविंद्र कालेकर,पूर्व अध्यक्ष भानुदास भसाले ने बताया कि, भिवंडी,कल्याण, डोंबिवली, ठाणे, वाडा, पालघर,जव्हार में संपन्न हुए महोत्सव कार्यक्रम में हजारों की संख्या में भक्त जनों ने भक्ति भाव से उत्साहपूर्वक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए.

मुख्यमंत्री शिंदे की जीवनी का विमोचन 7 अगस्त को ठाणे में

ठाणे. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जीवनी का विमोचन 7 अगस्त को ठाणे महानगर पालिका के नाट्य ग्रह रामगणेश गडकरी रंगायतन सभागृह में शाम पांच बजे होने जा रहा है.- प्रो. डॉ प्रदीप धवल द्वारा लिखित 'योद्धा कर्मयोगीः एकनाथ संभाजी शिंदे' की जीवनी पुस्तक के विमोचन पर विशेष मेहमान राज्य के नए राज्यपाल महामहिम सी पी राधाकृष्णन ठाणे में इस कार्यक्रम विशेष अतिथि होंगे. इस अवसर पर, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उप मुख्यमंत्री अजित पवार, विधान परिषद की उपाध्यक्ष नीलम गोरे, वरिष्ठ साहित्यकार पद्म मधु मंगेश कार्णिक, अखिल भारतीय मराठी साहित्य संघ के अध्यक्ष रवींद्र शोभने सहित राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य स्थानीय विधायक और गणमान्य व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों के लोग उपस्थित रहेंगे.

दरअसल कोंकण मराठी साहित्य परिषद, शारदा एजुकेशन सोसायटी और ग्रंथाली प्रकाशन के सहयोग से विमोचन समारोह का आयोजन किया जा रहा है. जीवनी पुस्तक में 'योद्धा कर्मयोगी : एकनाथ संभाजी शिंदे' से मुख्यमंत्री एकनाथ

शिंदे के जीवन की कई घटनाओं और प्रसंगों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है. इसके अलावा उनके पारिवारिक जीवन, उनके गठन, संघर्षों, कठिनाइयों, विकास में उनके योगदान का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया है. लेखक ने बताया कि उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की राजनीतिक यात्रा को करीब से देखा है और उनके सहयोगी के रूप में हमें खुशी है कि आज वह राज्य के मुख्यमंत्री के पद पर बैठे हैं. सीएम शिंदे के राजनेतिक सहयोगी रहे ठाणे के विधायक प्रताप सरनाईक ने विश्वास जताया कि उन पर आधारित जीवनी पर आधारित पुस्तक ठाणे में प्रकाशित हो रही है और यह समारोह ऐतिहासिक होगा. वरिष्ठ संपादक डॉ. उदय निर्गुडकर ने जीवनी 'योद्धा कर्मयोगी : आत्मकथा पुस्तक के लिए मुख्य मंत्री एकनाथ संभाजी शिंदे' के पीछे की भूमिका और विमोचन समारोह के आयोजन के बारे में भी विस्तार से बताया है. इस मौके पर उदय निर्गुडकर ने कहा कि एकनाथ शिंदे के जीवन, खासकर उनके राजनीतिक जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं और घटनाओं से आम जनता भी परचित है . लेकिन उन्होंने राज्य के शीर्ष नेतृत्व तक का सफर किस तरह तय किया और इसके पीछे की पृष्ठभूमि क्या थी, इसके बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है.. हालाँकि, इस जीवनी के माध्यम से एकनाथ शिंदे के व्यक्तित्व और नेतृत्व गुणों का निर्माण कैसे हुआ, इसे विभिन्न घटनाओं, अवसरों और अनुभवी सहयोगियों के विचारों के माध्यम से इस आत्म कथा में बखूबी प्रस्तुत किया गया है.

फ्रेंडशिप रन में दौड़े हजारों डोंबिवलीकर

कल्याण. फ्रेंडशिप डे के उपलक्ष में डोंबिवलीकर एक सांस्कृतिक परिवार और कल्याण डोंबिवली रनर ग्रुप द्वारा ₹डोंबिवलीकर फ्रेंडशिप रन 2024₹ का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 9 से 10 हजार डोंबिवलीकर नागरिकों ने भाग लेकर दौड़ लगाई। स्पर्धा में राज्य के लोक निर्माण मंत्री और डोंबिवली के विधायक रविंद्र चव्हाण भी शामिल हुए। मंत्री रविंद्र चव्हाण

अप्पा दातार चौक से लेकर घरडा सर्कल तक चलते हुए इस मैराथन का हिस्सा बने। मैराथन को 21 किलोमीटर, 10 किमी, 5 किमी और 1.6 किमी की श्रेणियों में बांटा गया। छोटे बच्चों से लेकर युवा वर्ग, महिलाएं और वृद्ध नागरिकों ने मैराथन में दौड़ लगाई। फ्रेंडशिप रन को लेकर डोंबिवलीकरो में काफी उत्साह नजर आया। मैराथन के उपरांत मंत्री चव्हाण ने कहा कि डोंबिवलीकर एक सांस्कृतिक परिवार और कल्याण डोंबिवली रनर ग्रुप ने जो फ्रेंडशिप रन का आयोजन किया है वह काफी सराहनीय है। हजारों नागरिकों को एकत्रित कर मैराथन का आयोजन करना एकजुटता का संदेश देता है। साथ ही नागरिकों के स्वास्थ्य की दृष्टिकोण से भी यह मैराथन लाभदायक है। उन्होंने कहा कि सुबह-सवेरे डोंबिवली के हजारों नागरिकों ने चलकर और दौड़कर इस फ्रेंडशिप रन को कामयाब बनाया।

जलजमाव क्षेत्रों में सफाई व दवा का छिड़काव कराएं

- जनहित सामाजिक संस्था ने की मांग

भिवंडी. विगत 15 दिनों से जारी मूसलाधार बारिश से शहर के सभी निचले रहिवासी क्षेत्रों में भारी जलजमाव हुआ है. शहर के अधिकांश भागों में भारी जलजमाव होने से नागरिकों को भारी दिक्कत झेलनी पड़ी है. जनहित सामाजिक संस्था ने बरसात की संक्रामक बीमारियों से सुरक्षा की खातिर रहिवासी क्षेत्रों में साफ सफाई की व्यवस्था सहित संक्रांमक बीमारियों की रोकथाम हेतु कीटनाशक दवा का छिड़काव फौरन कराए जाने की अपील प्रशासक अजय वैद्य से की है.

गौरतलब हो कि, बिगत 15 दिनों से हुई भारी बरसात की वजह से भिवंडी की दशा तालाब जैसी हो गई थी. भारी बारिश से संगम पाडा, म्हाडा कॉलनी, मनपा शिक्षण शाला, कोंबडपाडा, अजय नगर, शिवाजी चौक, आदर्श पार्क, नजराना कंपाउंड,घूंघट नगर, शिवाजी नगर,तीन बत्ती भाजी मार्केट, भावे कंपाउंड, कामतघर, दरगाह रोड, आजमी नगर,काकू बाई चाल,नवी बस्ती,गोपाल नगर,भंडारी कंपाउंड, ओसवाल वाडी, झोपड़ पट्टी क्षेत्रों में बीमारी से बचाव की खातिर कीटनाशक दवा का छिड़काव करना बेहद जरूरी है. मनपा सफाई कर्मियों की टीम द्वारा साफ-सफाई एवम कीटनाशक दवाओं का छिड़काव प्रत्येक रहिवासी परिसर किया जाना अत्यावश्यक है. बरसाती बीमारियों की रोकथाम हेतु वैद्यकीय उपचार सुविधा सुनिश्चित किया जाना चाहिए.

एसएसटी कॉलेज में दीपोत्सव के माध्यम से श्रावण का स्वागत

उल्हासनगर. एसएसटी कॉलेज, उल्हासनगर चार हमेशा छात्रों के बीच भारतीय संस्कृति के मूल्यों को विकसित करने के लिए विभिन्न नवीन गतिविधियों का आयोजन करता रहता है। भारतीय संस्कृति में श्रावण मास के महत्व को ध्यान में रखते हुए एसएसटी कॉलेज में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों

को श्रावण मास का महत्व और मानव जीवन में भारतीय त्योहारों और उत्सवों का महत्व और उन्हें मनाने के पीछे की पृष्ठभूमि के बारे में बताया गया, साथ ही लोगों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला दीपोत्सव दिए जलाकर मनाया गया। उपस्थित छात्र-छात्राओं प्रतिक्रिया देते हुए कहा के हमें श्रावण माह का महत्व समझा,साथही हमें हमारे जीवन में भारतीय त्योहारों और उत्सवों की भूमिका के बारे में पता चला।

इस अवसर पर एसएसटी कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ.खुशबू पुरस्वानी,उप प्राचार्य, सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की संजीवनी

जिप के 19 अधिकारी, कर्मचारी रिटायर

ठाणे. जिला परिषद ठाणे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में जुलाई माह में सेवानिवृत्त होने वाले 19 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान जिला परिषद के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तरे ने शॉल, श्रीफल, सम्मान चिन्ह एवं पेंशन आदेश से देकर किया. फड़तरे ने सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी.

नानी सुचित्रा पर बायोपिक करने की इच्छा : राइमा

- बोलीं- वे पब्लिक में कम दिखती थीं
- मानती थीं कि पहचान सिर्फ फिल्मों से होनी चाहिए

राइमा सेन ने अपनी नानी सुचित्रा सेन पर बायोपिक में एक्टिंग करने की इच्छा जताई है। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी कहानी को फिल्मों के जरिए लोगों तक पहुंचाना दिलचस्प होगा।

राइमा सेन ने कहा, 'मैं एक बायोपिक करना चाहती हूं, खासकर अपनी नानी सुचित्रा सेन पर। मेरी नानी ने अपनी पूरी जिंदगी अपने काम को समर्पित कर दी थी। उनके समय में, वे कभी भी पब्लिक में ज्यादा दिखना नहीं चाहती थीं। उनका मानना था कि जो भी ऑडियंस उन्हें फिल्म में देखे, वही उनकी पहचान होनी चाहिए। आज के समय में चीजें बदल गई हैं। लेकिन मेरी नानी ने इस सोच को अपने आखिरी दिनों तक बनाए रखा था।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'मेरी नानी की कहानी में बहुत सारी अनसुनी बातें और स्ट्रगल हैं, जो लोगों को जाननी चाहिए। मुझे लगता है कि इन कहानियों को फिल्मों के जरिए दिखाना दिलचस्प होगा।'

सुचित्रा सेन बांग्ला सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं। उन्होंने 'सागरिका' और 'दर्शन' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया था। उनकी अदाकारी के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले थे। फिल्मों से रिटायरमेंट के बाद, उन्होंने अपनी निजी जिंदगी को शांतिपूर्ण तरीके से बिताया था।

फिल्में छोड़ते ही सुचित्रा गायब हो गईं। उन्होंने खुद को एक छोटे से कमरे में बंद कर लिया जहां वो छोटे से बिस्तर पर सोती थीं।

उल्हास विकास NEWS www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास विकास NEWS
संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
उल्हास विकास NEWS ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099